पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राजभवन में महकेगी महाराष्ट्र के सोनचम्पा की सुगंध

राज्यपाल ने 'सोनचम्पा' का पौधा रोपित किया

लखनऊ 26 फरवरी, 2016

राजभवन में आज उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक द्वारा मुंबई के वसई क्षेत्र से मंगाये गये सोनचम्पा के पौधें रोपित किये गये। सोनचम्पा का मराठी नाम सोनचाफा भी है। इस अवसर पर राज्यपाल सहित उनकी पत्नी श्रीमती कुंदा नाईक, उनकी पुत्री श्रीमती विशाखा कुलकर्णी, प्रमुख सचिव श्री राज्यपाल सुश्री जूथिका पाटणकर, सचिव श्री चन्द्र प्रकाश एवं अन्य अधिकारियों ने भी सोनचम्पा के पौधें रोपित किये। सोनचम्पा के पीले या सुनहरे रंग के पुष्प अपनी सुगंध के लिए प्रख्यात हैं।

राज्यपाल ने बताया कि सोनचम्पा पुष्पों की खेती उनके पूर्व निर्वाचन क्षेत्र उत्तर मुंबई वसई में बड़े पैमाने पर की जाती है। सोनचम्पा के एक पौधें में एक वर्ष में लगभग 5000 पुष्प आते हैं। व्यवसायिक तौर पर 2 एकड़ भूमि पर इसकी खेती से 20 से 25 लाख रूपयें की वार्षिक आय हो सकती है। उन्होंने बताया कि ऐसी मान्यता है कि गणपति जी को सोनचम्पा के पुष्प प्रिय हैं। आम दिनों पर एक रूपये प्रति पुष्प बिकने वाला सोनचम्पा गणपति उत्सव में लगभग छः रूपयें प्रति पुष्प तक बेचा जाता है।

श्री नाईक ने बताया कि पुष्प के इन पौधों को मुम्बई के वसई से श्री सुभाष भट्टे ने भेजा है। श्री सुभाष भट्टे सोनचम्पा की व्यवसायिक खेती करते हैं और इनकी 2 एकड़ कृषि भूमि पर 700 सोनचम्पा के पौधें हैं। महाराष्ट्र सरकार द्वारा महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बसंत राव नाईक, जो कि खेती के विशेषज्ञ भी थे, के नाम पर बसंत राव नाईक फूलशेती पुरस्कार भी दिया जाता है। इस वर्ष यह पुरस्कार श्री सुभाष भट्टे को दिया गया है।

अंजुम/ललित/राजभवन(71/30)